Opening of Branches of Banks in Himachal Pradesh

9185. PROF. NARAIN CHAND PARASHAR : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) the names of the places in the State of Himachal Pradesh, District-wise for which the (i) Punjab National Bank, (ii) Central Bank of India (iii) United Commercial Bank and (iv) State Bank of India have made surveys and recommended the opening of new branches to the Reserve Bank of India, Bombay during the last three years including the financial year 1983-84, specifically;

(b) the names of the proposals have been sanctioned by the Reserve Bank for the opening of branches of these centres, District-wise upto 31 March, 1984;

(c) the names of the places, among them where the branches have actually been opened; and

(d) the reasons for not issuing licences to the remaining places even though they have been justified by any of the nationalised banks mentioned above ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHANA POOJARY) : (a) The required information is being collected and to the extent available will be laid on the Table of the House.

पटना में राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाएं खोलना

9186. **श्री रामावतार शास्त्री** : (क) क्या यह सच है कि पटना जिले में ब्लाक मुख्यालयों में राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाएं खोली गयी हैं;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि बैंकों की नई शाखाएं खोलने के कुछ आवेदन विभिन्न बैंकों के पटना स्थित कार्यालयों में लम्बित पड़े हुए हैं;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

वित्त मन्त्रालय में उप-मन्त्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) और (ख) भारतीय रिजर्व बैंक की सूचना पद्धति से बैंकों की ब्लाक वार शाखाओं के आंकड़ों का पता नहीं चलता अलबत्त, उपलब्ध आकड़ों के अनुसार पटना जिले का कोई भी ब्लाक मुख्यालय बैंक रहित नहीं बताया गया है । जिसमे यह पता चलता है कि सभी ब्लाक मुख्यालयों को वहां पर या नजदीकी केन्द्रों से बैंकिंग सुविधाएं प्राप्त हैं ।

(ग) से (ङ) भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचित किया है कि पंजाब नेशनल बैंक से दो केन्द्रों अर्थात् पटना जिले में भरतपुर और चिरोरा, के लिए प्राप्त आवेदन लम्बित पड़े हैं ।

मद्रास और बंगलौर हवाई अड्डों पर घोषणा करने के नियमों का पालन न करना

9187. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हवाई जहाजों और अड्डों में पहले हिन्दी में घोषणा की जाती है और बाद में अंग्रेजी में;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि मद्रास, बंगलौर और कुछ अन्य हवाई अड्डों में इस नियम का पालन नहीं हो रहा है और वहां पर घोषणाएं केवल अंग्रेजी में की जाती हैं; और